नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

यूपीआई : डिजिटल भारत की धड़कन

एक दशक पहले जब भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस यानी यूपीआई की शुरुआत हुई थी, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह व्यवस्था देश के आर्थिक व्यवहार की तस्वीर इतनी तेजी से बदल देगी. आज यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं है, बल्कि भारत के डिजिटल परिवर्तन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की एक सफल मिसाल बन चुका है. दस वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री समेत देश के अनेक नेताओं ने इसे भारत की बड़ी उपलब्धि बताया है, जो बिल्कुल स्वाभाविक है.

प्रधानमंत्री मोदी ने यूपीआई की शुरुआत को भारत के डिजिटल भुगतान के सफर में बड़ा मोड़ बताया है. वास्तव में यह उनकी उस सोच का परिणाम है, जिसमें तकनीक को केवल आधुनिकता का प्रतीक नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन को सरल और सशक्त बनाने का माध्यम माना गया. डिजिटल इंडिया अभियान के पीछे यही मूल दृष्टि थी कि तकनीक की सुविधा देश के बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव के छोटे दुकानदार, किसान, मजदूर, युवा, महिला और सामान्य उपभोक्ता तक पहुंचे. यूपीआई ने इस सोच को जमीन पर उतारने का काम किया है. आज चाय की छोटी दुकान से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान तक भुगतान के लिए यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है. जेब में नकदी रखने, खुले पैसे की चिंता करने या बैंकिंग प्रक्रिया की जटिलताओं से गुजरने के बजाय मोबाइल फोन के जरिए कुछ ही क्षणों में भुगतान संभव है. यही वह बदलाव है जिसने डिजिटल भुगतान को आम भारतीय के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बना दिया है.

यूपीआई की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरलता है. डिजिटल तकनीक का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह आम आदमी के लिए सहज हो. प्रधानमंत्री मोदी की नीति-निर्माण की विशेषता यही रही है कि उन्होंने तकनीक और जनसामान्य की जरूरत के बीच की दूरी कम करने पर जोर दिया. जनधन खातों, आधार और मोबाइल की त्रिमूर्ति के साथ यूपीआई ने डिजिटल वित्तीय समावेशन को नई गति दी है.

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ठीक ही कहा है कि यूपीआई परिवर्तनकारी बदलाव के एक दशक की कहानी है. यह केवल तेज और सुरक्षित लेन-देन की सुविधा नहीं, बल्कि डिजिटल इंडिया की ताकत का प्रमाण है. संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि यूपीआई ने दुनिया को भारत की डिजिटल क्षमता का एहसास कराया है. आज अनेक देश भारत के यूपीआई मॉडल में रुचि दिखा रहे हैं. यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में केवल विदेशी तकनीक का अनुकरण नहीं किया, बल्कि अपनी जरूरतों और विशाल जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी व्यवस्था विकसित की.यूपीआई के दस वर्ष पूरे होना इसलिए केवल एक तकनीकी उपलब्धि का उत्सव नहीं है. यह उस दूरदृष्टि की सफलता का प्रमाण है, जिसने डिजिटल तकनीक को भारत के विकास और जनसशक्तीकरण का माध्यम बनाया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने जिस यात्रा की शुरुआत की थी, यूपीआई उसका सबसे चमकदार पड़ाव है. आने वाले वर्षों में यह व्यवस्था भारत को न केवल अधिक डिजिटल, बल्कि अधिक पारदर्शी, समावेशी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

दोस्ती की गर्माहट में यूएस वीजा का झटका

किशन भावनानीं

> अमेरिका भारत के साथ तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाना चाहता है, लेकिन साथ ही ट्रंप प्रशासन अमेरिकी श्रम बाजार में विदेशी कर्मचारियों की भूमिका को सीमित करने और घरेलू रोजगार को प्राथमिकता देने अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर जोर दे रहा है. यही विरोधाभास आने वाले समय में दोनों देशों के आर्थिक संवाद की सबसे कठिन परीक्षा बन सकता है.

वैश्विक स्तर पर भारत और अमेरिका के संबंधों की वर्तमान तस्वीर बेहद दिलचस्प और कई स्तरों पर विरोधाभासी दिखाई दे रही है. एक ओर वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक, आर्थिक, रक्षा, तकनीकी और कूटनीतिक साझेदारी लगातार गहरी होती दिखाई दे रही है,वहीं दूसरी ओर ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियां भारतीय पेशेवरों के लिए नई चिंताएं पैदा कर रही हैं.

हालिया घटनाक्रम में अमेरिका के भारत में राजदूत और राष्ट्रपति ट्रंप के दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर का श्रीनगर दौरा विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा. 19 अगस्त 2026 को कश्मीर यात्रा के दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और क्षेत्र में सुरक्षा सुधारों का उल्लेख करते हुए अमेरिकी यात्रा चेतावनी को कम करने की संभावना पर भी विचार करने की बात कही.

यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान ने इस पर औपचारिक आपत्ति जताई. यह घटनाक्रम भारत-अमेरिका संबंधों में उस व्यापक बदलाव का हिस्सा है जिसमें दोनों देश हिंद-प्रशांत, रक्षा सहयोग, आतंकवाद-रोधी सहयोग, सेमीकंडक्टर आर्टफिशियल इंटेलिजेंस अंतरिक्ष उन्नत तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखला सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ा रहे हैं.

इसी सकारात्मक कूटनीतिक वातावरण के बीच अमेरिका की एच -1बी वीजा नीति भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिकी तकनीकी उद्योग दोनों के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है.अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग यानी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने 24 अगस्त को एच-1 बी के वार्षिक कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर 1,03,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है.

भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 99 लाख रुपये के आसपास बैठती है. जो भारत-अमेरिका दोस्ती की गर्माहट के बीच एच-1बी वीजा का ठंडा झटका है. यह राशि कोई सामान्य वीजा आवेदन शुल्क नहीं है जिसे हर भारतीय कर्मचारी अपनी जेब से देगा.

यह प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क मुख्यत: नियोक्ता द्वारा एच-1बी पिटीशन दाखिल करते समय भुगतान किया जाना है और इसके ऊपर अन्य लागू शुल्क भी अलग रहेंगे.झ डीएचएस का प्रस्ताव वार्षिक एच -1बी कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर लागू होगा.

वर्तमान व्यवस्था में नियमित श्रेणी के लिए 65,000 और अमेरिकी संस्थान से मास्टर या उससे उच्च डिग्री प्राप्त करने वालों के लिए अतिरिक्त 20,000, यानी कुल 85,000 कैप- सब्जेक्ट स्थान होते हैं. भारतीय पेशेवरों के लिए यह प्रस्ताव इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि एच -1बी कार्यक्रम में भारत लंबे समय से सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है.

अमेरिकी तकनीकी कंपनियों, आईटी सेवाओं, इंजीनियरिंग, वित्त, स्वास्थ्य और अन्य विशेषीकृत क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-1बी मार्ग से अमेरिका पहुंचते हैं. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भारतीय नागरिकों को दिए गए एच -1बी वीजा/अनुमोदनों में उनकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही.

अब लेकिन प्रस्ताव के अनुसार यदि किसी अमेरिकी कंपनी को विदेश से किसी कुशल पेशेवर को नियुक्त करने के लिए एक लाख डॉलर से अधिक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़े, तो वह भर्ती का निर्णय कई बार सोचेगी. अत: अगर हम उपरोक्त पूरे प्रस्ताव का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत-अमेरिका संबंध आज दो समानांतर पटरी पर चल रहे हैं, रणनीतिक मित्रता और आव्रजन नीति की कठोरता.

रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने से क्यों रोका?

भारत एकात्मक (यूनिटरी) न होकर संघात्मक (फेडरल) राष्ट्र है, जहां राज्यों के अपने अधिकारों को संवैधानिक मान्यता है. जब ऐसा है तो तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने से क्यों रोका गया? उन्हें लंदन से सीधे भारत लौटना पड़ा. लगता है कि विपक्ष शासित राज्य का सीएम होने की वजह से रेवंत रेड्डी के साथ ऐसा बर्ताव किया गया. विदेश मंत्रालय ने उन्हें अमेरिका दौरे की अनुमति नहीं दी. माना जाता है कि रेवंत रेड्डी अमेरिका जाने पर न्यूयॉर्क के महापौर जोहरान ममदानी और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैन्स से मुलाकात करते. विदेश मंत्रालय ने अपने अधिकारों के तहत रेवंत रेड्डी को क्लीयरेंस नहीं दिया. उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत विरोधी या केंद्र सरकार के खिलाफ नहीं था. ऐसा भी नहीं था कि वह अपनी यात्रा के दौरान बीजेपी विरोधी प्रचार करते या भारत के लिए खतरा पैदा करते. क्या इससे यह माना जाए कि आगे भी कोई विपक्षी पार्टी शासित राज्य का मुख्यमंत्री विदेश जाना चाहेगा, तो उसका प्रवास रोक दिया जाएगा? क्या इसी तरह लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विदेश यात्रा में भी अडंगे लगाए जा सकते हैं? रेवंत रेड्डी पर तो केंद्र को भरोसा रहना चाहिए था, क्योंकि छात्र जीवन में वह संघ परिवार से जुड़े छात्र संगठन अ.भा. विद्यार्थी परिषद में सक्रिय थे. यदि किसी बीजेपी शासित राज्य का मुख्यमंत्री विकास के लिए विदेशी निवेश लाने के नाम पर विदेश जाता है तो उसे रोका नहीं जाता, लेकिन तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री को अनुमति नहीं दी गई. रेवंत रेड्डी ने इसे 4 करोड़ तेलंगाना वासियों का अपमान बताया है. उल्लेखनीय है कि 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी सरकार ने बहुदलीय प्रतिनिधि मंडल विदेश भेजे थे, जिनसे कहा गया था कि भारत की भूमिका विश्व को समझाएं. उस समय तो सरकार ने विपक्ष पर विश्वास जताया था. इसी तरह जब पी.वी. नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने विपक्ष के तत्कालीन नेता अटल बिहारी वाजपेयी को कश्मीर पर भारत का पक्ष रखने के लिए यूएन महासभा में भेजा था. अब वैसी उदार भावना क्यों नहीं है? रेवंत रेड्डी ने सवाल किया है कि वाइब्रेंट गुजरात 2047 उपक्रम के तहत गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को 17 से 24 अगस्त तक अमेरिका व कनाडा दौरे की अनुमति दी गई लेकिन उन्हें (रेवंत रेड्डी) को तेलंगाना राइजिंग 2047 के अंतर्गत अमेरिका जाने से क्यों रोका गया? यह कैसा भेदभाव है?

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

ग्वालियर चंबल डायरी

मालनपुर और बानमोर के उद्योगों में फिर आएगी बहार, सीएम जुटे

हरीश दुबे

दस्यु समस्या के कारण विकास का पहिया थमने और इसके चलते बेरोजगारी, गरीबी और पलायन जैसी समस्याओं के बढ़ने के बाद यहां औद्योगिक विकास को रफ्तार देने दशकों पहले मालनपुर और बानमोर में इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाए गए थे. शुरू में तो सब कुछ ठीक ठाक चला, लेकिन बाजार में मंदी, नई औद्योगिक नीतियों, कड़े श्रम कानूनों, आपराधिक तत्वों के दखल देने जैसे कारणों के चलते तमाम कारखानेदारों ने यहां से पैकअप कर लिया. चंबल में दोनों ही मुख्य पार्टियां ताकतवर रही हैं लेकिन मालनपुर और बानमोर की पटरी से उतरी लाइन को फिर दुरुस्त करने खास प्रयास नहीं हुए. लेकिन अब लगता है कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने चंबल के इन औद्योगिक क्षेत्रों में फिर से चमन बरसाने की कमान संभाल ली है.

मुख्यमंत्री ने मालनपुर में गोदरेज समूह के चौथे प्लांट का शुभारंभ किया है. इस प्लांट का विस्तार करीब साढ़े चारसौ करोड़ रुपए के निवेश से होने जा रहा है. कहा जा रहा है कि गोदरेज का यह चौथा प्लांट तो शुरुआत है, ग्वालियर में हुई पिछली इंवेस्टर मीट में जो एमओयू साइन हुए थे, अगले दो बरस में वे मालनपुर और बानमोर की सरजमीं पर साकार रूप लेने लगेंगे. आपको बता दें कि अपने सुनहरे दौर में मालनपुर में चारसौ की तादाद में छोटे बड़े कारखाने थे, इस क्षेत्र में अब लगभग 80 से 100 सक्रिय औद्योगिक इकाइयां ही काम कर रही हैं जिनमें एसआरएफ, सूर्या रोशनी, कैडबरीज, कर्लऑन, मोंटाज, वर्धमान, दावत फूड्स, ग्वालियर कार्टन जैसे बड़े ग्रुप भी शुमार हैं. फिलवक्त मालनपुर में दस हजार श्रमिक काम कर रहे हैं. यह अच्छी बात है कि इनमें अस्सी फीसदी स्थानीय हैं लेकिन उच्च पदों पर सिर्फ बीस फीसदी ही स्थानीय युवा हैं. सांसद संध्या राय यह मामला लोकसभा में भी उठा चुकी हैं. उम्मीद लगा सकते हैं कि ऊंची तकनीकी डिग्रियां रखने वाले चंबल के नौजवानों को भी मालनपुर और बानमोर में रोजगार मिलेगा और उन्हें काम के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा.

निगम में नया निजाम

ग्वालियर की सड़कों की खराब गुणवत्ता और निर्माण कार्यों को लेकर मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है. सड़कों की गुणवत्ता जांचने कोर्ट एक समिति बना चुकी है और इस समिति ने सड़कों से नमूने लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. नमूनों की जांच शुरू होने के ठीक बाद जिस तरह निगम आयुक्त संघ प्रिय के तबादले की खबर सामने आई, उसने कई अटकलों और चर्चाओं को जन्म दे दिया. प्रशासनिक गलियारों से लेकर जनसाधारण के बीच यह सवाल पूछा जाने लगा कि क्या निगम आयुक्त के तबादले को ग्वालियर की सड़कों पर अदालत द्वारा अपनाए सख्त रवैए के संदर्भ में जोड़कर देखा जाना चाहिए. हालांकि यह किसी से छिपा नहीं है कि शहर में कई स्थानों पर सड़कें टूटी फूटी हैं और बड़े-बड़े गड्ढे समस्या बने हुए हैं.

प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले उनकी सेवा प्रक्रिया का एक हिस्सा होता है. संघप्रिय के तबादले और उनकी जगह नए विजन, नई सोच वाले अभिषेक चौधरी की ताजपोशी को हम इसी नजरिए से देखते हैं. कह सकते हैं कि नए निगम आयुक्त को चुनौतियों का अंबार मिला है जिन पर विजय पाकर ग्वालियर निगम को चुस्त दुरुस्त साबित करने की कसौटी है.

प्रत्याशी तैयार रखने की नसीहत दे गए पटवारी

दतिया विजय के बाद उत्साह से भरी कांग्रेस की नजर अब अगले साल होने जा रहे निकाय चुनाव पर है. कैलारस में शुगर मिल के आंदोलन में हौंसला अफजाई करने जाते समय जीतू पटवारी जब मुरैना, शिवपुरी और ग्वालियर रुके तो स्थानीय नेताओं से साफ कह दिया कि निकाय चुनाव के लिए अभी से जिताऊ प्रत्याशियों की खोजबीन शुरू कर दें. नेताओं ने भी मजबूरी जता दी कि जब तक परिसीमन और वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक प्रत्याशी तलाशना मुमकिन नहीं है क्योंकि अभी यह तय नहीं है कि कौन सा वार्ड महिला आरक्षित होगा या एससी रिजर्व बनेगा. पटवारी ने भी कह दिया कि पिछले आरक्षण और जनसंख्या के आधार पर संभावित प्रत्याशियों को खोजा जा सकता है. बहरहाल, वार्डों के परिसीमन और प्रशासनिक तैयारियों का सिलसिला चुनावों के शेड्यूल के आधार पर आगे बढ़ रहा है. वर्ष 2027 की जनगणना तथा शासन के दिशा-निर्देशों को आधार बनाया जा रहा है. वार्डों की सीमा तय करने से पहले मतदाता सूचियों को अपडेट करने की प्रक्रिया चलेगी.

निशानेबाज

पाक के आतंक पर नहीं अचरज, उसने फिर बना लिया मरकज

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, पाकिस्तान से बड़ा भिखमंगा मुल्क दुनिया में कोई नहीं है. कहते हैं कि अल्लाह, आर्मी और अमेरिका मिलकर उसे चलाते हैं. सऊदी अरब ने अपने देश में रहकर भीख मांगने वाले हजारों पाकिस्तानियों को पकड़कर वापस उनके देश भेज दिया था. पाकिस्तान जिससे कर्ज लेता है, उसे वापस नहीं लौटाता. अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक जब पैसा वापस मांगते हैं, तो वह ब्याज चुकाने के लिए फिर नया लोन मांग लेता है. इस पैसे से वह आतंकवाद की भट्टी सुलगाता है. पाकिस्तान में आटा से लेकर पेट्रोल तक इतना महंगा है कि आम जनता बुरी तरह बेहाल है.'

हमने कहा, 'आज आप पाकिस्तान का मुद्दा क्यों उठा रहे हैं? हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर स्थित हेडक्वार्टर मरकज सुभानल्ला को तबाह कर खंडहर में बदल दिया था.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पाकिस्तान सरकार की मदद से मरकज के आतंकी ट्रेनिंग अड्डे का नए सिरे से निर्माण कर लिया गया है. उसे संगमरमर से बनाया गया. स्विमिंग पूल, शूटिंग रेंज, आतंकियों के रहने के कमरों, ट्रेनिंग क्लास सब कुछ फिर से बनकर तैयार हो गए. पाकिस्तान रक्तबीज राक्षस की तरह है जो फिर से आतंकवाद के लिए तैयार हो जाता है. इस देश को अपनी गरीबी, बेरोजगारी दूर करने या आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के निर्माण से मतलब नहीं है. वह सिर्फ आतंकी सपोलों को पालने का काम करता है. भारत से द्वेष रखना और कश्मीर हड़पने का सपना देखना यही उसका उद्देश्य है. पाकिस्तान ने मक्का में तुर्किए और सऊदी अरब के साथ सैनिक समझौता किया है. इसमें से किसी भी देश पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा. अमेरिका पहले ही पाकिस्तान का आका और चीन उसका काका है. पाकिस्तान का नाम बदलकर आतंकिस्तान रख देना चाहिए क्योंकि उसकी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकवादियों की पैदावार करती है. यहां-वहां से कर्ज लेकर पाकिस्तान आतंक की विषबेल बढ़ाने का काम करता है. अब वह फिर कोई बड़ा आतंकी दुस्साहस कर सकता है.'

हमने कहा, 'ऐसा हुआ तो भारत नक्शे से ही उसका नाम मिटा देगा.'

शब्द-सागर 12361

- डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. बर्फ से ढंका हुआ 2. लीन, लिप्त 3. दुर्ग, किला 4. केशलता 5. आम या इमली से बनाया गया एक प्रकार का शर्बत 7. औंधा, पर्दा 8. सहन करने की क्षमता से परे 9. एक पुराना सबसे छोटा सिक्का 11. बड़ा डंडा, लकड़ी 12. चाशनी में मिले गुलाब के फूल की औषधि 14. छेड़ने की क्रिया 15. इच्छा, इरादा 16. रह-रहकर उठने वाली टीस 18. जिसके आसपास का तल ऊंचा हो, जो गहराई पर हो

बाएं से दाएं

1. एक मंत्रकार ऋषि, ब्रम्हा, सूक्ष्म शरीरयुक्त आत्मा 4. लपलपाने की क्रिया या भाव 6. पराजय 7. बिहार की राजधानी 9. चक्की के दो भागों में से एक, चौड़ाव, फैलाव 10. सिर पर गंधक लगी तीली, जिसे रगड़कर आग जलाते हैं 12. कंदरा, गुहा 13. हठ या जिद करने वाला 14. पत्थर धातु आदि काटने का औजार 15. एक पक्षी जिसके पंख तथा डैने नीले होते हैं, शिव 17. दया के योग्य 19. बंदूक आदि के चलने से उत्पन्न शब्द 20. सुख, राहत 21. पपीहा

Solution 12360

पा	णि	ग्र	ह	ण	■	पं	जा
र्थ	■	स्त	र	■	पां	चा	ली
सा	क्षी	■	ण	■	■	मृ	■
र	ण	■	■	ध	रा	त	ल
थी	■	मे	वा	ड़	■	■	प
■	अ	ह	म	क	■	च	क
ग	रि	मा	■	न	■	प	ना
हा	■	न	म्र	■	मी	ल	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. आर्थिक हानि होगी. भूमि भवन संबंधी मामलों में विवाद होगा. भावुकता पर नियंत्रण रखें. शारीरक कष्ट होगा. शिक्षा में अरूचि रहेगी. वर्ष के मध्य में सामाजिक स्थिति में सुधार होगा. आय में वृद्धि होगी. राजनैतिक क्षेत्र में लाभ होगा. वर्ष के अन्त में निर्धारित कार्यों में सफलता मिलेगी. कर्मचारियों के सहयोग से आंशिक सफलता लाभ के योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के सामाजिक कार्यो और व्यवसायिक क्षेत्र में लाभ होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को कर्मचारियों के सहयोग से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में अरूचि रहेगी. व्यवधान पैदा हो सकता है. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शासन संबंधी कार्यों में व्यस्तता रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के पूर्व निर्धारित कार्योंमें सफलता मिलेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को धार्मिक कार्योंमें खर्च करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, विनोदी, चतुर, चंचल तथा स्वविवेकी होगा, इनकी शिक्षा उत्तम रहेगी. ये शीघ्र ही किसी से भी मित्रता कर लेते हैं. माता पिता के प्रति इनका झुकाव रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

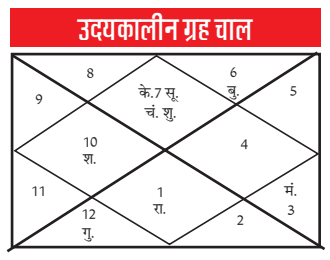

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2083 श्रावण शुक्ल चर्तुदशी गुरूवासरे दिन 8/32, धनिष्ठा नक्षत्रे रात 2/59, शोभन योगे दिन 9/36, वणिज करणे सू.उ. 5/40, सू.अ. 6/20, चन्द्रचार मकर दिन 2/14 से कुम्भ, पर्व-पूर्णिमा व्रत, शु.रा. 10,12,1,4,5,8 अ.रा. 11,2,3,6,7,9 शुभांक-3,5,9.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल चर्तुदशी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, जौ, गेहूं, चना, रूई कपास, चांदी, सोना के भाव में मंदी होगी. जीरा, धनियां के भाव पूर्ववत् रहेंगे. वायदा विचारा आज 11 बजकर 10 मिनिट से 20 मिनिट रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 3116 है.

मेष- जीवनसाथी के साथ मतभेद रह सकते हैं, प्रापर्टी संबंधी विवाद के समाधान की संभावना है. आजीविका के प्रयासों में उन्नति होगी, साहस बना रहेगा.

वृषभ- पारिवारिक अपेक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रहेंगे, जिससे परिजन नाराज हो सकते हैं. मित्रता आपके लिये हितकर रहेगी, यात्रा में यथेष्ठ सावधानी रखें.

मिथुन- कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित सफलता के आसार हैं, हाथ में लिया गया काम पूरा होगा. खानपान पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, उदर विकार से कष्ट हो सकता है.

कर्क- सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति नया उत्साह भर देगी, नये की शुरूआत हो सकती है, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि का योग है, संयम रखकर कार्य करें.

सिंह- बेहतर भविष्य के लिये आपको कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अतिथि वृषभमन होगा, लाभ तथा यश प्राप्त होने का प्रबल योग है.

कन्या- खानपान में लापरवाही के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, नौकरी में तरक्की का योग है. संतान कार्यों में तथा लेखन सृजन के कार्यों में सफलता मिलेगी.

तुला- अधिकारियों से काम के संबंध में उचित आश्वासन मिलेगा, शीघ्रता में कोई निर्णय न लें. नवीन निर्माण कार्यों में उन्नति होगी, संयम से कार्य करना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- आप दूसरों के सहयोग के लिये हमेशा तैयार रहेंगे, साहस, पराक्रम एवं कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा. सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

धनु- प्रस्तावित योजनाएं बाधित हो सकती है, सुनी बातों पर कोई निर्णय न लें. मित्रों एवं कुटुम्बियों के सहयोग से आर्थिक समस्या दूर होगी. सतर्कता रखें.

मकर- नए संपर्कों में सावधानी बरतें, लोग विश्वास में लेकर धोखा दे सकते हैं. मांगलिक कार्यों पर खर्च होगा, मनोरंजन, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी.

कुम्भ- घरेलू उलझनें परेशान करेंगी, नकारात्मक सोच से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विशेष श्रम एवं प्रयास करने से सफलता प्राप्त होगी. संयम रखें.

मीन- आप रिश्तों को सहज रखने की कोशिश करेंगे, जिसका कुछ लोग अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करेंगे. सोचे हुये कार्यों में सफलता प्रापत होगी.

SUDOKU 7493

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7492

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9